केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - २

रविवार, ५ जुलाई, २००९ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुम्हारे गुरुजी को पहले कभी ऐसा हुआ था ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''इस पानी के घड़े में आप अपने चरण का स्पर्श कीजिए ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''श्रीजीमहाराज के मुख पर देखिए कितना तेज है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. उकाखाचर को सभा में आने में देर हो गई ।
२. अलैयाखाचर ने अपनी तलवार निकाली ।
३. अचिंत्यानंद ब्रह्मचारी ने 'श्रीहरिलीलाकल्पतरु' ग्रन्थ की रचना की ।
४. राजाभाई ने घर का त्याग किया ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. कृपानंद स्वामी । **अथवा** २. डोसाभाई ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. उपासना । **अथवा** ४. कल्याण ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. श्रीजीमहाराज ने स्वयंप्रकाशानंद स्वामी की वचनामृत में क्या प्रशंसा की हैं ?

गुण : १	

.....

.....

२. सत्संगिजीवन में से भक्तिमार्ग की पुष्टि के कौन से दो आख्यान शास्त्रीजी महाराज प्रस्तूत करते थे ?

गुण : १	

.....

.....

३. त्यागी को कब दस हज़ार गायों को मारने का पाप लगता है ?

गुण : १	

.....

.....

४. अफ्रिका में सत्संग प्रवर्तित करनेवाले मुख्य दो हरिभक्तों के नाम दिजीए ।

गुण : १	

.....

.....

५. तीन प्रकार के तीर्थों के नाम दीजिए ।

गुण : १	

.....

.....

६. श्रीजीमहाराज ने सोमला खाचर की क्या प्रंशसा की है ?

गुण : १	

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ५४ **का विवरण लिखिए । (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६		प्र-७	

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : अद्‌भुतानंद स्वामी

१. कल्याणदास रामानंद स्वामी से वर्तमान धारण कर सत्संगी बने । **२.** कल्याणदास के मामा मेथाण गाँव के विठ्ठलभाई थे । **३.** संघा पटेल ने कहा, 'इसमें तेरा नाम तो नहीं है ।' **४.** नामों के अन्त में 'आदि' शब्द तो लिखा है, इसी में मेरा नाम आ गया । **५.** श्रीजीमहाराज के आदेशानुसार जेतपुर में रामदास स्वामी से मिलकर पैदल ही सीधे कच्छ आ पहुँचे। **६.** श्रीजीमहाराज की आज्ञा होते ही वे अपने गाँव मेथाण तथा अपने ससुराल कडु से भिक्षा माँगकर ले आए । **७.** उन्होंने अपने भाई वजुभाई को वैराग्य की बातें कही इसलिए उन्होंने भी दीक्षा ले ली और उनका नाम 'निष्कामानंद स्वामी' रखा गया । **८.** उन्होंने कच्छ-गुजरात के अनेक गाँवों में घूमकर बहुत सत्संग प्रवर्तन किया । **९.** उन्होंने वारणा गाँव में चमत्कारिक कष्टभंजन हनुमानजी की मूर्ति प्रतिष्ठित की । **१०.** शास्त्रीजी महाराज ने दीक्षा ली थी, उस समय वे उपस्थित थे ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. कल्पतरु सर्वना .....

.....

.....

.....

..... तत्काल त्यारे ॥ गुण : २ ☐

२. सत्संगी जे तमारा .....

.....

.....

.....

..... अमने न नडे ॥ गुण : २ ☐

३. आवो मारा मोहन .....

.....

.....

..... खांतमां रे लोल ॥ गुण : २ ☐

४. वहाला तारी जमणी .....

.....

.....

.....

..... नित्य ध्यान धरे रे लोल ॥ गुण : २ ☐

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

प्र. ८ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ६)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री महाव्रताय नम : .....

.....

.....

..... ॐ श्री कालदोषनिवारकाय नम : ॥ | गुण : २ |

२. सद्ग्रन्थ .....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये ॥ | गुण : २ |

३. गालिदानं ..... हितं च तै : ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... | गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हमें तो करोड़ों जीवों का कल्याण करना हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

२. ''यह फूल की सुंगध लें, इसमें तीर्थ मात्र आ गए ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

३. ''अहो साधुराम ! क्या आप रोज इतनी भूख सहन करते हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. करसन बांभणिया की आँखें भर गई ।

२. तरणेतर के महंत को आश्चर्य हुआ ।

३. श्रीजीमहाराज गुणातीतानन्द स्वामी के जमान हुए ।

४. अहमदाबाद के पीतांबरदास साधु विज्ञानदासजी बने ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

( ) ....

....

गुण : ३

(　　)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. वेदांतियों का पराजय । २. रंक से राय । ३. आज्ञा धारक ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११	

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. जूनागढ मंदिर में से अंतिम बार निकलते समय गुणातीतानंद स्वामी मुख्य द्वार की ओर देखकर क्या बोले ? गुण : १

२. जूनागढ़ के महंत बनाकर श्रीजीमहाराज ने गुणातीतानंद स्वामी को क्या आशीर्वाद दिया ? गुण : १

३. मूलजी भक्त ने घर का त्याग क्यूं किया ? गुण : १

४. गुणातीतानंद स्वामी ने अपने हिस्से का लड्डू दूसरे साधु को क्यों दिया ? गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

५. गुणातीतानंद स्वामी के मुख से श्रीजीमहाराज के पुरुषोत्तमस्वरूप की बातें सुनकर गोपालानन्द स्वामी क्या कहते थे ? | गुण : १ |

.....

.....

६. आत्मानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी के पात्र का प्रसाद क्यों लिया ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए ।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. नागर भाविक का परिवर्तन । २. ये हमारे जूनागढ़ के महंत । ३. ये साधु भोजन करना अच्छा जानते हैं ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३		प्र-१४	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जसा भगत । गुण : २

(१) ☐ संतों की आज्ञा का दृढ़ पालन करना ।

(२) ☐ आते जाते संतों की सेवा हो सकती है ।

(३) ☐ मेरी व्यवहारिक हालत बहुत कमज़ोर हो गयी है ।

(४) ☐ नित्यानंद स्वामी ने मुझे यह गाँव छोड़ने से मना किया है ।

२. सोरठ का सत्संग । गुण : २

(१) ☐ आचार्य महाराज के नाम पर बैल देने का इन्कार कर दिया ।

(२) ☐ बैल स्वामी को कृष्णार्पण किया ।

(३) ☐ मैं तो उनका दास हूँ ।

(४) ☐ सत्संगी तो क्या क्या समर्पित नहीं करेंगें ?

३. गुणातीतानन्द स्वामी के कृपापात्र शिष्य कौन थे ? गुण : २

(१) ☐ शिवलाल सेठ (२) ☐ हंसराज पटेल

(३) ☐ बालमुकुंददासजी (४) ☐ स्वामी यज्ञेश्वरदासजी

४. होली का पद । गुण : २

(१) ☐ कोटि कृष्ण जोडे हाथ । (२) ☐ जुग जुग जीवो सो जोगिआ ।

(३) ☐ कोटि शंकर धरे ध्यान । (४) ☐ संत पारस चंदन बावना ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**